कृषि विकास के लिए “फोर आई” को अपनाना होगा- वैंकया नायडू

आज देश कृषि के क्षेत्र मे आगे बढ रहा है, लेकिन अभी भी बहूत काम करना बाकी है। किसानो की आय को 2022 तक दूगुना करने के लिए कृषि क्षेत्र में “फोर आई” की अवधारणा को अपनाकर एवरग्रीन रिवोल्यूशन की आवश्यकता है। यह बात केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री वैंकया नायडू ने दिनांक 24 मई 2017 को राजस्थान के कोटा शहर में आयोजित किये जा रहे तीन दिवसीय संभाग स्तरीय किसान मेला ग्राम के उद्घाटन अवसर पर किसानों को सम्बोधित करते हूए कही। फोर आई अवधारणा को समझाते हूए उन्होने कहा कि कृषि में इरिगेशन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, इंटरेस्ट रेट एवं इंश्योरेंस काफी महत्वपूर्ण है। सभी सरकारो को इन पर ध्यान देना होगा। कृषि लाभ का व्यवसाय नहीं है इस धारणा को तोडना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होने कृषि में फसल विविधिकरण करने, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करने, प्रंसस्करण, आदि करके खेती को लाभदायक बनाने पर जोर दिया। नायडू ने केन्द्र सरकार की योजनाओं मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा सिंचाई योजना आदि के बारे में भी जानकारी दी।

इस अवसर पर राज्य की मुख्यमंत्री वसुधंरा राजे ने किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होने जानकारी दी कि किसानों को अपनी जमीन पर कृषि प्रसंस्करण इकाई लगाने के लिए 40 लाख रूपये तक के निवेश पर 20 लाख रूपये का अनुदान दिया जायेगा। उन्होने कहा कि किसानों के लिए क्रोप इंश्योरेंस पोर्टल, क्रोप कटिंग एक्सपेरिमेंट आदि मोबाइल एप शुरू किये है। जिससे किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ आसानी से मिलेगा

इस अवसर पर राजस्थान के कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रभुलाल सैनी ने एग्रीटेक मीट के तहत आयोजित जाजम चौपाल में उपस्थित किसानों से कहा है कि केन्द्र व राज्य सरकार की मंशा है कि खेत में बुवाई से लेकर कटाई तक किसान की फसल हर तरह से सुरक्षित रहे। इसके लिए सरकार ने कई योजनाएं संचालित कर किसान की खुशहाली सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि ग्राम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में किसान शामिल होकर यहा प्रदर्शित खेती की नवीनतम तकनीक और नवाचार की जानकारी लें और इसे अपनाएं। इससे किसान अपनी आय को बढा सकते हैं। साथ ही साथी किसानों को भी तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दें, जिससे वे भी इसका लाभ उठा सकें।

उन्होंने कहा कि बदल-बदल कर फसल की बुवाई करनी चाहिए। खाद व दवाईयों का उपयोग कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार ही करें।
साथ ही इसमें किसी तरह की समस्या आए तो इसके लिए स्थानीय कृषि अधिकारियों एवं विषेषज्ञों से समाधान करें।

कोटा में आयोजित किये जा रहे संभाग स्तरीय ग्राम के जरिए किसान कृषि की नवीनतम अनुसंधान, मशीनरी खाद्य प्रसंस्करण विधियां, उपकरणों आदि के बारे में जागरूक होगें।

ग्लोबल
राजस्थान
एग्रीटेक मीट
24-26 मई 2017
कोटा
उन्नत किसान
ख़ुशहाल राजस्थान
ग्राम